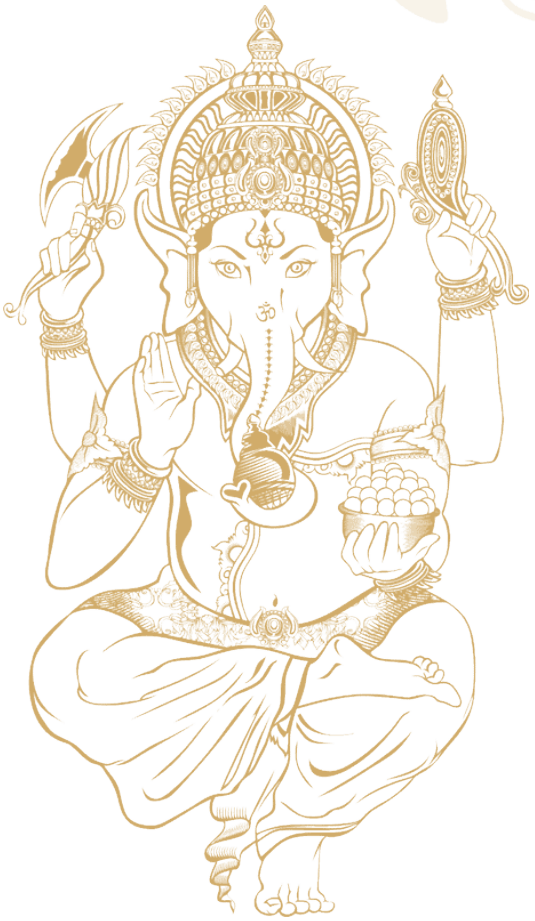

Hitesh Bharti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119245902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/10/1997	जन्म तिथि	19/05/2004
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 20:15:00	जन्म समय	09:47:00 घंटे
घटी 33:38:59	जन्म समय(घटी)	09:34:48 घटी
India	देश	India
Barmer	स्थान	Barmer
25:43:00 उत्तर	अक्षांश	25:43:00 उत्तर
71:25:00 पूर्व	रेखांश	71:25:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:44:20	स्थानिक संस्कार	-00:44:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:47:24	सूर्योदय	05:57:04
18:09:46	सूर्यास्त	19:24:53
23:49:30	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:53

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 7वर्ष 11मा 17दि	13:39:46	वृष	लग्न	मिथु	28:09:59	सूर्य 2वर्ष 6मा 15दि
केतु	06:24:12	तुला	सूर्य	वृष	04:36:46	राहु
11/10/2022	11:04:38	कर्क	चंद्र	वृष	04:20:50	04/12/2023
11/10/2029	23:50:26	वृश्चि	मंगल	मिथु	13:34:02	04/12/2041
केतु 09/03/2023	12:51:08	तुला	बुध	मेष	09:17:31	राहु 16/08/2026
शुक्र 08/05/2024	18:39:32	मक	गुरु	सिंह	15:17:48	गुरु 09/01/2029
सूर्य 13/09/2024	22:53:39	वृश्चि	शुक्र व	मिथु	02:11:35	शनि 16/11/2031
चन्द्र 14/04/2025	22:02:21	मीन व	शनि	मिथु	16:43:49	बुध 04/06/2034
मंगल 10/09/2025	25:08:53	सिंह	राहु व	मेष	17:21:17	केतु 23/06/2035
राहु 29/09/2026	25:08:53	कुंभ	केतु व	तुला	17:21:17	शुक्र 23/06/2038
गुरु 04/09/2027	10:56:50	मक	हर्ष	कुंभ	12:40:35	सूर्य 17/05/2039
शनि 13/10/2028	03:24:50	मक	नेप व	मक	21:28:41	चन्द्र 15/11/2040
बुध 11/10/2029	10:19:36	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	27:35:15	मंगल 04/12/2041

लग्न-चलित

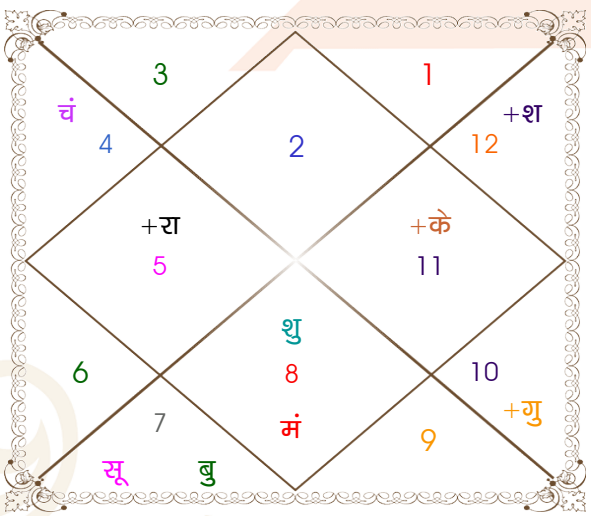

लग्न-चलित

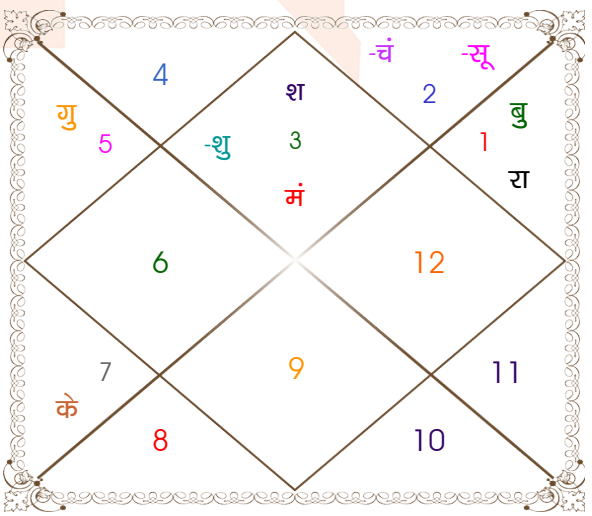

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	मेष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

Hitesh का वर्ग मेष है तथा ठींतजप का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Hitesh और ठींतजप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Hitesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Hitesh कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ठींतजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ठींतजप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Hitesh कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Hitesh तथा ठींतजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।